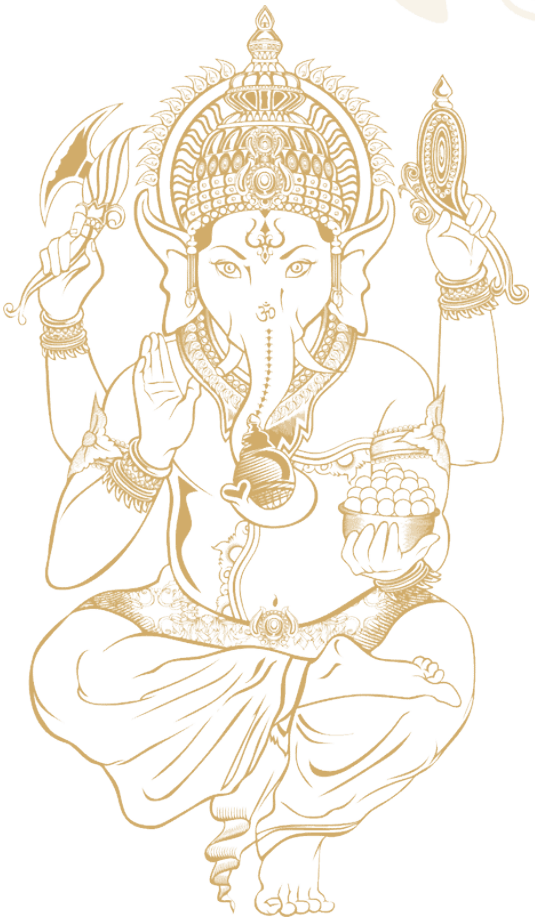

Mr.D

Ms.j

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120446406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/02/2000	जन्म तिथि	09/02/2000
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:00:00	जन्म समय	22:10:00 घंटे
घटी 29:31:35	जन्म समय(घटी)	37:28:27 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Chandigarh
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:22	सूर्योदय	07:09:38
18:06:06	सूर्यास्त	18:04:51
23:51:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 7मा 21दि	07:30:43	सिंह	लग्न	कन्या	19:52:54	शनि 2वर्ष 2मा 18दि
बुध	25:14:08	मक	सूर्य	मक	26:22:55	केतु
30/09/2022	00:17:53	मीन	चंद्र	मीन	15:06:37	30/04/2019
01/10/2039	03:29:07	मीन	मंगल	मीन	04:21:03	29/04/2026
बुध 26/02/2025	11:22:47	कुंभ	बुध	कुंभ	13:06:22	केतु 26/09/2019
केतु 23/02/2026	05:09:17	मेष	गुरु	मेष	05:19:30	शुक्र 25/11/2020
शुक्र 24/12/2028	24:15:57	धनु	शुक्र	धनु	25:39:38	सूर्य 02/04/2021
सूर्य 31/10/2029	17:07:31	मेष	शनि	मेष	17:10:57	चन्द्र 01/11/2021
चन्द्र 01/04/2031	09:48:37	कर्क	राहु	कर्क	09:45:48	मंगल 30/03/2022
मंगल 28/03/2032	09:48:37	मक	केतु	मक	09:45:48	राहु 18/04/2023
राहु 16/10/2034	23:04:31	मक	हर्ष	मक	23:08:28	गुरु 23/03/2024
गुरु 21/01/2037	10:45:39	मक	नेप	मक	10:48:10	शनि 02/05/2025
शनि 01/10/2039	18:40:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:42:13	बुध 29/04/2026

लग्न-चलित

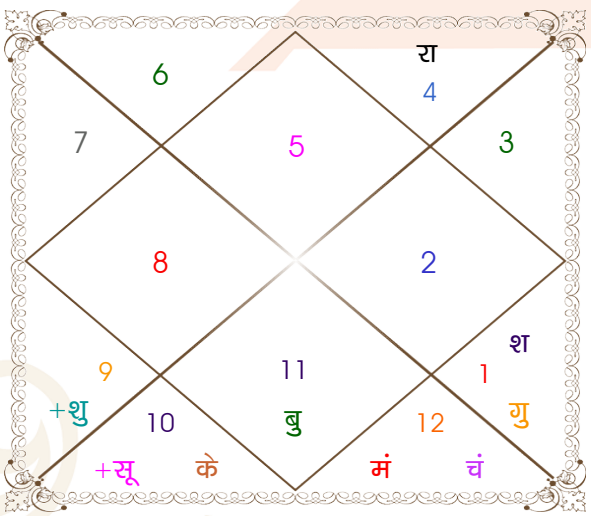

लग्न-चलित

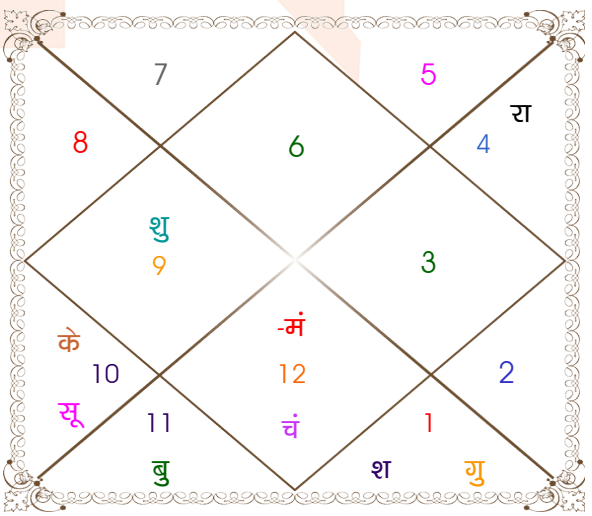

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr.D का वर्ग सर्प है तथा Ms.j का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.D और Ms.j का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.D मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.D कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.D कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.j मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.j कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.j कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.j कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.D तथा Ms.j में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।